

धसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग [—न्यव्यः 1 PART I—Section 1

शाधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

e†• 20]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 26, 1973/माम 6, 1894

No. 20]

NEW DELHI, PRIDAY, JANUARY 26, 1973/MAGHA 6, 1894

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 26th January 1973

No. A-21021/6/72-Ad.III-B.—The President is pleased on the occasion of Republic Day, 1973, to award an Appreciation Certificate for exceptionally meritorious service rendered when undertaking a task at the risk of his life to:

Shri Dalpatsinh Ramjibhai Parmar, Inspector of Customs & Central Exclse, Collectorate of Central Exclse, Ahmedabad.

Statement of services for which the Certificate is awarded.

On 21st November, 1972, he risked his life on the open sea against seasoned smugglers whom he chased and arrested with only two Seroys and the crew of his vessel. While patrolling in the sea in the Gulf et Kutch, he spetted one speeding launch at a far distance in the fee and as seen as he found that it ves not vessel of licit cargo, he chased the ressel and the chars was continued from 1100 hrs to 1800 hrs on 21st November, 1973. He had to open fire several times to 1900 the scraping vessel. Ultimately, in spite of the dangers involved, he daring! Intercepted the smugglers' vessel with 11 versions on world and with 264 puckages

of contraband goods valued at Rs. 34,64,991.50. He took custody of all 11 persons alone and towed the launch with the goods and the smugglers to Okha after 12 hrs. voyaging in the sea during the night, only with a skelton of armed staff. In effecting the seizure Shul Parmar exhibited exmandlary presence of mind, leadership, exemplary courage and bravery regardless of personal danger to life.

During the war with Pakistan in December, 1971, on the request of the Naval authorities, the departmental vessel M.S.V. Burgawatt, with its crew, was placed at the disposal of the defence authorities to assist them in an attempt to rescue one of the pilot officers who was suspected to have balled out in Khaiber Creek near Karachi on 5th December, 1971. Shri Parmar proceeded in the disguised Customs dhow for picking up I.A.F. crew regardless of the dangers in enemy waters and successfully carried out the mission

2. The award is made under clause (a)(1) of para I of the Scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs and Central Excise Departments published in Part I, Section I, of the Gazette of India Extraordinary Notification No. 12/139/59-Ad. III-B dated the 5th November. 1962, as amended from time to time and carries with it a monetary allowance at the rate of Rs. 40 p.m for a period of Five years from 26th January, 1973 to 25th January, 1978

विहा मंत्रालय

(राजस्व ग्रौर बीमा विभाग)

ग्रिधिम बनाएं

नई दिल्ली, 26 जनवरी, 1973

सं ७ ए-21021/6/72 प्रशा ७ III-ख -- राष्ट्रपति जी, गणतंत दिवस, 1973 के प्रवसर पर निम्निस्तित अधिकारी को, उनकी उस ग्रमाधारण, प्रणस्त सेवा के लिए, जो उन्होंने ग्रपने जीवन को भी खनरें में डाल कर की, यह प्रणंसा प्रमाण-पत्न प्रदान करने हैं:

श्री दलपत सिंह रामजी भाई परमार, निरीक्षक, सीमागुरूक तथा केरदीय उत्पादन-गण्क समाहर्ती-कार्यालय, ग्रहमदाशद ।

जिन सेवायां के लिए प्रमाण-पत्र दिया गया उनका विवरण

जितने 2। नयम्यर, 1972 को खुले समुद्ध में अनुभवी तस्कृष्ट व्यापारियों के नामने अपने जीवन को खतर में डाला, उनका पीछा किया और केंबल दो सिपाहियों तथा अपने जलयान के कमींदल की सहायता में उन्हें गिरफ्तार किया। जब वह कच्छ की खाड़ी में समुद्ध में गुण्य लगा रहें थे तो उन्हें समुद्ध में बहुत दूर तेज रफ्तार में जाती दुई एक लांच दिखायी दी और जैसे ही उन्हें यह पता चला कि लांच में बैंध माल नहीं है उन्होंने उसका पीछा किया और वह 21-11-1972 को प्रात: 11 बजे से सांय 6 बजे तक उसका पीछा करते रहे। उस भागते हुए जलयान को रोकने के लिए उन्हें कई बार गाली चलानी पड़ी। आखिरकार, इस काम में अन्तर्ग्यस्त खतरों के बावजूद, उन्होंने साहम के साथ तस्कर व्यापारियों के जलयान को रोको जिसमें 11 व्यक्ति सबार थे और 34,64,901.50 के सत्य के अवैध माल के 264 पैकेज थे। उन्होंने अकेले ही 11 व्यक्तियों को हिएसत में रखा और बहुत थोड़े में सणस्त्र कर्मचारियों के साथ रात को समुद्ध में याता करते हुए 12 घंटों के बाद साल महित लांच तथा तस्कर-व्यापारियों को चसीट कर भीखा पहुंचाया। उकतं तस्कर-व्यापारियों को। एकड़ने में श्री परमार ने अपने व्यक्तिगत जीवन के लिए उत्पन्ध संकट कर सुंखान करते हुए। अमाधारण सुअव्यक्त नक्ति अपने व्यक्तिगत जीवन के लिए उत्पन्ध संकट कर सुंखान करते हुए। अमाधारण सुअव्यक्त नक्ति अपने व्यक्तिगत जीवन के लिए उत्पन्ध संकट कर सुंखान करते हुए। अमाधारण सुअव्यक्त नक्ति व्यक्तिगत जीवन के लिए उत्पन्ध संकट कर सुंखान करते हुए। अमाधारण सुअव्यक्त नक्ति व्यक्तिगत जीवन के लिए उत्पन्ध संकट कर सुंखान करते हुए। अमाधारण सुअव्यक्त नक्ति व्यक्तिगत जीवन के लिए उत्पन्ध संकट किया।

दिसम्बर 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के वीहान नौ सेना प्राधिकारियों के अनुरोध कर विभागीय जलयान एम०एस०वी० दुर्गावती और उसका कर्मीवल रक्षा प्राधिकारियों के सुपूर्व किया गया ताकि वे उस विमान चालक अधिकारी के जीवन को बचाने के प्रयत्न में रक्षा प्राधिकारियों की महायता कर सकी जिसके बाए में यह संदेह था कि वह 5 दिसम्बर 1971 को कराची के निकट खैबर जलपट्टी में छतरी से उतर गया था। भारतीय वायु-सेना के कर्मीदल को समुद्र से बाहर निकालने के लिए श्री परमार, शब्दु की समुद्री सीमा में संकट की परवाह न करते हुए, सीमाण्डक विभाग की छद्मवेशी हो (Dhow) में आगे बढ़े और उन्होंने सफलतापूर्वक अपने उहेश्य को प्राक्तिया।

2. यह पुरस्कार, सीमाणुल्क तथा केन्द्रोय उत्पादन णुल्क विभागों के अधिकारियों और कर्मजारियों को पुरस्कार देने संबंधी, समय-समय पर यथा संगोधित, योजना की कंडिका (क्र) (i) के अन्तर्गत दिया जाता है जो भारत के राजपत्न असाधारण के भाग I, खंड । में अधिसूचना मुख्य 12/139/59-प्रणाउ III-ख, दिनांक 5 नवम्बर 1962 के रूप में प्रकाणित हुई थी। इस पुरस्कार के साथ 26-1-73 में 25-1-78 तक की पांच वर्ष की अवधि के लिए 10.00 के प्रतिमास की दर से नकद भत्ता देने की व्यवस्था है।

No. A-21021/6/72-Ad III-B.—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1973, to award an Appreciation Certificate for specially distinguished record of service to each of the undermentioned officers of the Customs and Central Excise Departments:—

- 1. Shri Bhalachandra Shantaram Bawdekar, Appraiser, Special Investmentian and Intelligence Branch, Customs Department, Bombay.
- Shri H. C. Muttreja, Customs Inspector (Preventive), Customs Department, Bombay.
- 3. Shri A. Kanthimathinathan, Superintendent of Central Excise, Collectorate of Central Excise, Madural.
- 2. These awards are made under clause (a)(ii) of para I of the Scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs and Central Excisu Departments, published in Part I, Section I, of the Gazette of India Extraordinary Notification No. 12/139/59-Ad. III-B, dated the 5th November, 1962, as amended from time to time.

M. G. ABROL, Jt. Secv.

सं ० ए-21026/6/72 प्रशां III-स.-राज्द्रपति जी, गणतन्त्रं दिवस, 1973 के अवसर पर, मीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभागों के निम्नलिखित श्रविकारियों की उनकी स्नति विशिष्ट सेवाशों के लिए यह प्रशंसा प्रमाण-पत्न प्रदान करते हैं:---

- श्री भालचन्द्र शाल्ताराम बायडेकर, अप्रेजर, विशेष जांच-पहलाल तथा गुप्त सूचना शाखा, भीमा-शुल्क विभाग, बम्बई ।
- श्री एच० सी० मुत्रेजा, सीमा-मुल्क निरीक्षक (निवारक), मीमा-मुल्क विभाग, बम्बई।
- श्री ए० कान्तिमतिनाथन्, प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन-णुल्क_समाहती-कार्यालय, मदुरैं।

2. ये पुरस्कार सीमा-णुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन-गुरक विभागों के प्रधिकारियों भीर कर्मेचारिया था पुरस्कार देने संबंधी समय-समय पर यथा संशोधित योजना की कण्डिका । के खण्ड (क) (1) के प्रन्तर्गत दिये जाते हैं, जो भारत के राजपन्न, प्रसाधारण के भाग । खण्ड । मे अधि-सुधना में वि 12/139/59-प्रणाव III-(ख), दिमांक 5 नवस्वर, 1962 के रूप में प्रकाशित सूर्ष थी।

एम० जी० भ्रष्नोस, संबुक्त सचिव, भारत सरकार ।